जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

कोटा

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 46 संख्याः 40 प्रभात कोटा, सोमवार 23 नवम्बर, 2020 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 8 मूल्य 1.20 रु.

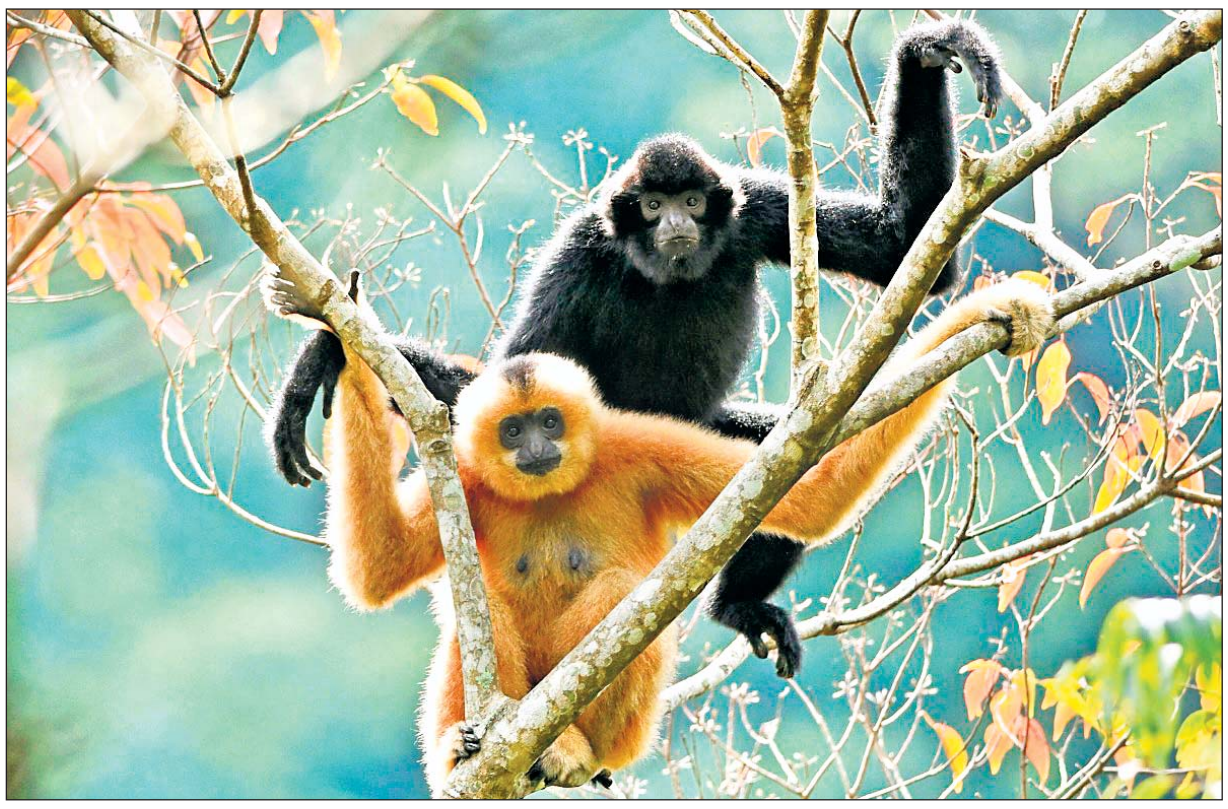

विश्व के सर्वाधिक संकटग्रस्त वानर, हायनान गिबन्स के अंतिम बचे हुए कुछ दर्जन वानर हायनान आइलैण्ड पर रहते हैं। सन् 2014 में एक भूस्खलन के बाद उनका प्राकृतिक आवास टूट-फूट गया था जिसके परिणामस्वरूप पेड़ों की ऊँची शाखाओं पर रहने वाले इन वानरों को भोजन के लिए लंबी-लंबी खतरनाक छलांगें लगानी पड़ती थीं। संरक्षण वैज्ञानिकों ने एक वैकल्पिक रास्ता ढूढ़ा, पेड़ों के बीच ऊंचाई पर बने रस्सियों के सामान्य से पुल। अब, साइन्टिफिक रिपोर्ट से पता चला है कि हायनान गिबन इन पुलों का इस्तेमाल कर रहे हैं। बंदरों को छः महीने लगे पुल के आइडिया को समझने और उसमें रूचि लेने में। तथापि, रस्सियों के पुल बनने के 176 दिनों के बाद, कुछ मादाओं और बच्चों ने इसका उपयोग शुरू कर दिया। अध्ययन के लेखक, हायनान गिबन कन्ज़र्वेशन प्रॉजैक्ट के बॉस्को पुई लोक चैन ने बताया कि बंदरों ने अब पुलों को पार करने की अप्रत्याशित रणनीतियां भी तैयार कर ली हैं। लेकिन शोधकर्ताओं का कहना है कि रस्सियों के पुल अस्थाई समाधान हैं। हायनान गिबन अपना पूरा जीवन वर्षावनों में पेड़ों की ऊपरी शाखाओं से बने शामियाने में बिताते हैं, अपनी लंबी बाहों से एक डाल से दूसरी डाल पर झूलते हुए। अन्य वानरों के विपरीत गिबन के पूंछ नहीं होती। न्यू इंगलैण्ड प्राइमेट कन्ज़र्वेटरी के अनुसार हायनान गिबन्स को कभी भी ज़मीन पर नहीं देखा गया है। शोध के दौरान देखा गया कि जब गिबन्स का सामना दो पेड़ों के बीच के 50 फुट चौड़े गैप से हुआ तो गिबन्स ने यह नहीं किया कि पेड़ से उतरें, जमीन पर कंकड़ पत्थर पर चलकर दूसरे पेड़ तक जाएं और उसपर चढ़ें। इसके बजाय उन्होंने जमीन से करीब 100 फुट ऊपर एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर हवा में छलांग लगाई। चैन ने कहा, "उनकी छलांग देखना काफी भयावह था, मेरा तो दिल मुंह में आ गया। इतना ही नहीं, मादा गिबन्स ने अपने बच्चों को पकड़े-पकड़े ही छलांग लगाई। यदि मादा गिर जाती तो अंतिम बचे 25 गिबन्स में से 2 गिबन कम हो जाते।" इनकी मदद के लिए वैज्ञानिकों ने पर्वतारोहण में काम आने वाली रस्सियां मजबूत पेड़ों पर बांधीं। गिबन इन रस्सियों के नीचे झूले नहीं, जैसे डालियों से झूलते हैं, इसके बजाय उन्होंने एक रस्सी पर चलना शुरू किया और सहारे के लिए दूसरी रस्सी को पकड़ लिया। कई बार तो स्लॉथ की तरह चारों हाथ-पैर से रस्सी पर लटक गए और उल्टे लटकर ही रस्सी के पुल को पार किया। सन् 1950 से 1970 के बीच हायनान गिबन की आबादी में भारी कमी आई और सन् 200 के बाद तो वो इस से भी कम रह गए। अब पचास वर्षों के संरक्षण प्रयासों के बाद इनकी आबादी बढ़नी शुरू हुई है।

'कांग्रेस का निचले स्तर के कार्यकर्ताओं से कनैक्शन टूट गया है'

गुलाब नबी आजाद ने कहा कि जब तक हम नहीं बदलेंगे, चीजें नहीं बदलेंगी, कांग्रेस हाईकमान को नेतृत्व (पार्टी) चुनाव कराने ही होंगे

नई दिल्ली, 22 नवम्बर। बिहार चुनाव के साथ तमाम राज्यों के उपचुनाव में कड़ी शिकस्त के बाद कांग्रेस में अंतर्कलह अब खुलकर सामने आ गयी है। वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद ने रविवार को कहा है कि पिछले 72 सालों में कांग्रेस सबसे निचले पायदान पर है। यहां तक कि कांग्रेस के पिछले दो कार्यकाल के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद भी नहीं है। गुलाम नबी आजाद ने कहा कि कांग्रेस ने लद्दाख में हिल काउंसिल चुनाव में 9 सीटें जीतीं, जबकि हम इस तरह के सकारात्मक परिणाम की उम्मीद नहीं कर रहे थे।

गुलाम नबी आजाद ने कहा कि जब तक हम हर स्तर पर अपने कामकाज के तरीकों को नहीं बदलेंगे, चीजें नहीं बदलेंगी। नेतृत्व को पार्टी कार्यकर्ताओं को एक प्रोग्राम देने और पदों के लिए चुनाव कराने की आवश्यकता है।

उन्होंने आगे कहा कि हमारे लोगों का ब्लॉक स्तर पर, जिला स्तर पर लोगों के साथ कनेक्शन टूट गया है। जब कोई पदाधिकारी हमारी पार्टी में बनता है तो वो लेटर पैड छाप देता है, विजिटिंग कार्ड बना देता है, वो समझता है बस मेरा काम ख़त्म हो गया।

गुलाम नबी आजाद ने कहा कि मैं कोरोना महामारी के कारण राहुल गांधी को क्लीन चिट दे रहा हूं क्योंकि वे अभी बहुत कुछ नहीं कर सकते हैं। हमारी मांगों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वे हमारी अधिकांश मांगों के लिए सहमत हो गए हैं। गुलाम नबी आजाद ने कहा कि यदि वे राष्ट्रीय विकल्प बनना चाहते हैं और पार्टी को पुनर्जीवित करना चाहते हैं तो हमारे नेतृत्व को चुनाव करना चाहिए। गुलाम नबी आजाद ने कहा कि हमारी पार्टी का ढांचा ढह गया है। हमें अपनी संरचना के पुनर्निर्माण की आवश्यकता है और फिर यदि कोई नेता उस संरचना में चुना जाता है तो यह काम करेगा। लेकिन सिर्फ यह कह देना की नेता बदलने से हम बिहार जीत लेंगे, यूपी, एमपी आदि गलत है। जब हम सिस्टम को बदलेंगे तब ऐसा होगा।

- **गुलाब नबी आजाद ने कहा कि मैं कोरोना महामारी के कारण राहुल गांधी को क्लीन चिट दे रहा हूं क्योंकि वे अभी बहुत कुछ नहीं कर सकते। हमारी पुरानी मांगों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वे हमारी अधिकांश मांगों के लिए सहमत हो गए हैं।**
- **गुलाम नबी आजाद ने कहा कि हमारी पार्टी का ढांचा ढह गया है। हमें अपनी संरचना के पुनर्निर्माण की आवश्यकता है और फिर यदि कोई नेता उस संरचना में चुना जाता है तो यह काम करेगा। लेकिन सिर्फ यह कह देना की नेता बदलने से हम बिहार जीत लेंगे, यूपी, एमपी आदि जीत लेंगे गलत है। जब हम सिस्टम को बदलेंगे तब ऐसा होगा।**

इससे पहले पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल पार्टी नेतृत्व की कार्यशैली पर सवाल उठा चुके हैं।

उन्होंने उन पर हमला कर रहे पार्टी नेताओं को जवाब देते हुए कहा है कि वह कार्यकर्ताओं की आवाज़ उठा रहे है। कपिल सिब्बल ने कहा कि राहुल गांधी डेढ़ साल पहले यह कह चुके हैं कि वे अब कांग्रेस का अध्यक्ष नहीं बनना चाहते। उन्होंने यह भी कहा था कि वह नहीं चाहते कि गांधी परिवार का कोई भी व्यक्ति अध्यक्ष बने। इसको डेढ़ साल हो गया है, क्या कोई राष्ट्रीय पार्टी बिना अध्यक्ष के काम कर सकती है।

बिहार व अन्य राज्यों में हुए उप चुनाव में हार के बाद कार्यकर्ताओं को पुनः खड़ा करने व एनडीए सरकार की नाकामियों को सामने लाने के लिए अर्थव्यवस्था के मुद्दे पर कांग्रेस और आक्रामक रुख अपनाएगी। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी अर्थव्यवस्था के मुद्दे पर पार्टी की नीति तय करने के लिए गठित समिति ने देश की आर्थिक हालत पर चिंता जताई है। पार्टी के एक नेता ने कहा कि पार्टी इस मुद्दे पर पूरी एकजुटता के साथ सरकार को घेरेगी।

शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की अध्यक्षता में गठित आर्थिक समिति की पहली बैठक हुई। इस बैठक में आर्थिक स्थिति पर चर्चा करने के साथ विभिन्न विषयों पर पार्टी का रुख भी तय किया गया। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने स्वास्थ्य लाभ के लिए गोवा रवाना होने से पहले शुक्रवार को इस तरह की तीन समितियों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोरोना संक्रमण अब तक के सभी रिकॉर्ड तोड़कर आगे निकला राजस्थान में

प्रदेश में रविवार को पहली बार एक ही दिन में 3260 कोरोना संक्रमित मिले हैं, जबकि शनिवार को 3007 रोगी मिले थे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 22 नवम्बर। प्रदेश में कोरोना संक्रमण अब तक के सभी रिकॉर्ड तोड़कर आगे निकल गया है। राज्य में रविवार को एक ही दिन में अब तक के सर्वाधिक 3260 नए संक्रमित मिले हैं। इनमें जयपुर में भी रिकॉर्ड 603 संक्रमित सामने आए हैं। इस बीच कोरोना से 17 और लोगों की मौत भी हुई है। उधर आज 12 सौ से ज्यादा ऐक्टिव केस और बढ़ने के बाद इनका आंकड़ा 23 हजार के पार हो गया है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार प्रदेश में रविवार को कोरोना संक्रमण के अब तक के सर्वाधिक 3260 नए मामले सामने आए हैं। इससे पहले शनिवार को 3007 संक्रमित मिले थे। उधर जयपुर में भी आज कोरोना संक्रमितों ने अब तक के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। इस बीच राजधानी में रिकॉर्ड 603 संक्रमित मिले हैं। इसके साथ ही यहां अब तक 42 हजार 701 रोगी मिल चुके हैं। इसके अलावा जोधपुर 414, अलवर में 271, कोटा में 240, अजमेर में 210, उदयपुर में 184, भीलवाड़ा में 131, पाली में 100, नागौर में 98, टोंक में 96, बीकानेर व सवाई माधोपुर में 93-93, भरतपुर में 87, सीकर में 75, डूंगरपुर में 62, सिरोही में 61, झुंझुनूं में 57, गंगानगर में 46, राजसमंद में 41, जालोर में 39, बूंदी में 36, झालावाड़ में 35, बाड़मेर में 34, हनुमानगढ़ में 32, बारां में 30, दौसा में 25, जैसलमेर में 24, बांसवाड़ा में 21, प्रतापगढ़ में 11, चित्तौड़गढ़ में 7 और चूरू तथा करौली में 2-2 संक्रमित मिले हैं। वहीं धौलपुर में आज संक्रमण का कोई भी मामला सामने नहीं आया है। इसके साथ ही प्रदेश में अब तक 2 लाख 43 हजार 936 संक्रमित मिल चुके हैं। उधर कोरोना वायरस के बेतहाशा बढ़ते रोगियों को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के आठ शहरों में लगाया गया नाइट कर्फ्यू और बरती जा रही सख्ती जायज है। इधर राज्य में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़ने के साथ ही इस वायरस से हो रही मौतों में भी इजाफा होने लगा है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार शनिवार को एक ही दिन में प्रदेश के 10 जिलों में कोरोना से 17 और लोगों की मौत हो गई। इनमें जयपुर और जोधपुर में 4-4 संक्रमितों की मौत हुई है। इसके अलावा बीकानेर में 2, अजमेर, अलवर, गंगानगर, कोटा, नागौर, पाली और प्रतापगढ़ में 1-1 मरीज की मौत हुई है। विभाग के अनुसार प्रदेश में इस वायरस से अब तक 2163 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें सर्वाधिक 412 जयपुर में और 216 मौतें जोधपुर में हुई हैं। इसके अलावा अजमेर में 163, बीकानेर में 158, कोटा में 123 और भरतपुर में 100 लोगों की मौत हो चुकी है।

- **राजधानी जयपुर में भी अब तक के सर्वाधिक 603 नए संक्रमित सामने आए हैं।**
- **इस बीच दस जिलों में कोरोना से रविवार को 17 और लोगों की मौत हो गई है।**
- **राज्य में ऐक्टिव केस बढ़कर 23 हजार से अधिक हो गए हैं।**
- **कोरोना के बेतहाशा बढ़ते मामलों को देखते हुए राज्य सरकार ने प्रदेश के आठ शहरों में नाइट कर्फ्यू लगाया है और कड़ी सख्ती बरती जा रही है।**

वहीं दूसरी ओर प्रदेश में शनिवार को कोरोना से रिकवर होने वालों की स्थिति में थोड़ा सुधार हुआ है। इस दौरान राज्य में 2004 लोग रिकवर हुए हैं। हालाकि रिकवरी रेट अभी 89.69 प्रतिशत पर है। प्रदेश में अब तक 2 लाख 18 हजार 583 लोग ठीक हो चुके है। उधर संक्रमितों की संख्या में हो रही भारी वृद्वि के कारण प्रदेश में एक्टिव केस बढ़कर 23 हजार 190 हो गए हैं। राज्य में शनिवार को 1232 और एक्टिव केस बढ़े हैं।

मॉडर्ना की वैक्सीन 1800 से 2800 रूपये में

वाशिंगटन, 22 नवंबर (स्पूतनिक)। अमेरिका की फार्मा कंपनी मॉडर्ना के कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी को रोकने के लिए तैयार की जा रही प्रति टीके की कीमत 1800 से 2800 रुपये के बीच होगी।

- **कंपनी के सीईओ स्टीफेन बैन्सेल ने रविवार को जर्मन वेल्ट एम सोनमग अखबार को बताया कि कम्पनी यूरोपीय संघ को टीके की आपूर्ति के समझौते के करीब है।**

कंपनी के मुख्य कार्यकारी (सीईओ) स्टीफेन बैन्सेल ने रविवार को जर्मन वेल्ट एम सोनमग अखबार को बताया कि वह यूरोपीय संघ के टीके की आपूर्ति के समझौते के करीब है।

बैन्सेल के अनुसार महामारी की गंभीरता को देखते हुए कोविड-19 मरीजों के लिए यह टीके का उचित मूल्य है। उन्होंने कहा कि आपूर्ति की मात्रा के आधार पर प्रति खुराक कीमत अलग-अलग होगी।

उन्होंने कहा कि कंपनी को इस वर्ष के अंत तक टीके की दो करोड़ खुराक का उत्पादन करने की उम्मीद है और यूरोप को इस वर्ष तक यह 'कम मात्रा'

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एल.ओ.सी. पर पाकिस्तान की नापाक हरकतें थमने का नाम नहीं ले रहीं

भारत की चेतावनी के बावजूद पाकिस्तान ने लगातार तीसरे दिन सीजफायर का उल्लंघन किया

श्रीनगर, 22 नवम्बर। आतंकवाद का पर्याय बन चुका पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। वह लगातार नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम का उल्लंघन करता है। पाकिस्तान ने रविवार को लगातार तीसरे दिन सीमा पर गोलीबारी की है। आज सुबह 11:15 राजौरी जिला के नौशेरा सेक्टर में पाकिस्तान ने सीजयफायर का उल्लंघन किया। भारतीय सेना ने भी आक्रमक तरीके से जवाबी कार्रवाई की है। गौरतलब है कि शुक्रवार और शनिवार को भी सीमा पार से गोलीबारी की गई थी।

पाकिस्तान संघर्ष विराम का उल्लंघन करता है आतंकवादियों को भारत में घुसपैठ करने में मदद मिल सके। लेकिन सीमा पर तैनात भारतीय जवान पाकिस्तान को मंसूबों पर पानी फेर देते हैं। अगर कभी सीमा पर आतंकवादी कश्मीर में घुस भी जाते हैं, तो सुरक्षा बलों के द्वारा उन्हें ढेर कर दिया जाता है। गौरतलब है कि शनिवार को ही भारत ने नई दिल्ली में पाकिस्तान के वरिष्ठतम राजनयिक को तलब किया और आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेएम) द्वारा हाल ही में जम्मू-कश्मीर को लेकर रची गई साजिश के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान उच्चायोग में आफताब हसन खान को तलब किया और मांग की कि पाकिस्तान अपने क्षेत्र से सक्रिय आतंकवादियों और आतंकी समूहों का समर्थन करने की नीति से दूर रहे और आतंकवादी संगठनों को हमले के लिए आतंकी संगठनों द्वारा संचालित बुनियादी ढांचे को ध्वस्त कर दे। वहीं, पाकिस्तान ने भी शनिवार को भारतीय उच्चायोग के प्रभारी को तलब किया और भारत के इस दावे को खारिज कर दिया कि पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद जम्मू कश्मीर में स्थानीय चुनावों से पहले वहां हमलों की साजिश रच रहा है।

- **पाकिस्तान संघर्ष विराम का उल्लंघन करता है ताकि आतंकवादियों को भारत में घुसपैठ करने में मदद मिल सके। लेकिन सीमा पर तैनात भारतीय जवान पाकिस्तान के मंसूबों पर हर बार पानी फेर देते हैं।**
- **गौरतलब है कि शनिवार को भारत ने नई दिल्ली में पाकिस्तान के वरिष्ठतम राजनयिक को तलब किया और जम्मू-कश्मीर को लेकर रची गई साजिश के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया था।**

गौरतलब है कि गुरुवार की सुबह नगरोटा के पास बान टोल प्लाजा पर आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ हुई थी, जिसमें चार आतंकवादी मारे गए।

गुलमर्ग में पारा शून्य से 7.4 डिग्री नीचे लुढ़का

श्रीनगर, 22 नवंबर (वार्ता)। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के ऊपरी इलाकों में पिछले कई दिनों हुई बर्फबारी और शीत लहर से ग्रीमकालीन राजधानी श्रीनगर में रात का तापमान शून्य से 3 डिग्री कम और विश्व प्रसिद्ध गुलमर्ग में शून्य से 7.4 डिग्री कम दर्ज किया गया है। इस बीच रविवार को मौसम विभाग ने अगले चार दिनों के लिए कश्मीर घाटी में भारी बारिश और विभिन्न इलाकों में बुधवार तक हल्की बर्फबारी होने की चेतावनी जारी की है। उन्होंने कहा कि

- **श्रीनगर में भी तापमान माइनस 3 डिग्री दर्ज किया गया।**
- **मौसम विभाग ने अगले चार दिनों के लिए कश्मीर घाटी में भारी बारिश और विभिन्न इलाकों में बुधवार तक हल्की बर्फबारी होने की चेतावनी जारी की है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विधायक के खाते से 4.51 लाख रु. चोरी

सिवनी, 22 नवंबर (वार्ता)। मध्यप्रदेश के सिवनी जिले के सिवनी विधायक दिनेश राय के खाते से

- **मध्य प्रदेश के विधायक दिनेश राय ने पुलिस में ऑनलाइन धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई, रविवार को पुलिस ने इस मामले में एक शख्स को गिरफ्तार किया।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'लव जेहाद पर कानून संविधान का स्पष्ट उल्लंघन है'

मध्य प्रदेश व उत्तर प्रदेश में लव जेहाद कानून लाने की चर्चाओं पर असदुद्दीन ओवैसी ने कड़ी नाराजगी जाहिर की

नई दिल्ली, 22 नवम्बर। भारत में इन दिनों लव जेहाद के खिलाफ कानून बनाने की चर्चा काफी हो रही है। मध्य प्रदेश के बाद उत्तर प्रदेश सरकार भी इसके खिलाफ सख्त कदम उठाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। अभी केन्द्र सरकार ने तो इस मामले में कुछ नहीं कहा है पर भाजपा शासित राज्यों में इसकी शुरुआत हो चुकी है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक हो या गुजरात सब इस पर कानून बनाने के लिए मसौद तैयार करने में लग गए हैं। इस बीच ए.आई.एम.आई.एम. के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इसे संविधान की भावना के खिलाफ बताया है।

ओवैसी ने कहा, इस तरह का कानून संविधान की धारा 14 और 21 के खिलाफ है। स्पेशल मैरिज एक्ट को तब खत्म कर दें। कानून की बात करने से पहले उन्हें संविधान को पढ़ना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा युवाओं का ध्यान बेरोजगारी से हटाने के लिए इस तरह के हथकंडे अपना रही है। उत्तर प्रदेश के गृह विभाग ने लव जेहाद के खिलाफ प्रस्तावित कानून का मसौदा तैयार कर लिया है। यह मसौदा परीक्षण के लिए विधायी विभाग को भेज दिया गया है। इसे संभवतः अगली कैबिनेट बैठक में पेश किया जा सकता है। विभाग ने कानून का जो मसौदा तैयार किया है उसमें 'लव जेहाद' शब्द का जिक्र नहीं है। इसे गैर कानूनी धर्मांतरण निरोधक बिल कहा जा रहा है। राजनीतिक चर्चाओं में लव जेहाद कहे जाने वाले मामले को ही गैर कानूनी धर्मांतरण माना जाएगा और ऐसे मामले में दोषी पाए जाने पर 5 से 10 साल की सजा का प्रावधान किया जा सकता है।

मध्य प्रदेश सरकार के नए कानून (मप्र फ्रीडम ऑफ रिलीजन एक्ट 2020) का ड्राफ्ट लगभग तैयार हो गया है। इसमें ताजा मामलों के पकड़े जाने पर पांच साल की सजा का प्रावधान तो है ही, लेकिन ऐसे विवाह यदि हो चुके हैं उन्हें रद्द करने का अधिकार भी फैमिली कोर्ट को दिया जा रहा है, लेकिन इसमें किसी सगे-संबंधी को यह पहले शिकायत करनी होगी कि यह प्रकरण और विवाह लव जेहाद से जुड़ा मसला है। इसके बाद अंतिम निर्णय फैमिली कोर्ट करेगा। फैमिली कोर्ट के फैसले को उच्च अदालत में चुनौती दी जा सकेगी। बताया जा रहा है कि जल्द ही ड्राफ्ट को अंतिम रूप देकर विधि विभाग को परीक्षण के लिए भेजा जाएगा। इसके बाद सीनियर सैक्रेटरी की कमेटी इस पर चर्चा करेगी। कैबिनेट की मंजूरी के बाद इसे विधानसभा के शीतकालीन सत्र में पेश किया जाएगा। एक्ट में प्रलोभन, बलपूर्वक, फ्रॉड, बहकावे जैसे शब्दों का भी उल्लेख होगा।

- **ओवैसी ने कहा, इस तरह का कानून संविधान की धारा 14 और 21 के खिलाफ है। कानून की बात करने से पहले उन्हें संविधान को पढ़ना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा युवाओं का ध्यान बेरोजगारी से हटाने के लिए इस तरह के हथकंडे अपना रही है।**
- **मध्य प्रदेश सरकार के नए कानून (मध्य प्रदेश फ्रीडम ऑफ रिलीजन एक्ट 2020) का ड्राफ्ट लगभग तैयार हो गया है। इसमें ताजा मामलों के पकड़े जाने पर पांच साल की सजा का प्रावधान तो है ही, लेकिन ऐसे विवाह यदि हो चुके हैं उन्हें रद्द करने का अधिकार भी फैमिली कोर्ट को दिया जा रहा है।**